



रजि०न०एल०डब्लू/एल०पी०८९०
लाइसेंस न०डब्लूपी०-४१
लाइसेंस टू पोस्ट ऐट कन्सेशनल रेट

सरकारी गजट उत्तर प्रदेश
उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित
असाधारण
विधायी परिशिष्ट
भाग-४ खण्ड (ख)
परिनियत आदेश
लखनऊ, बृहस्पतिवार, २० अप्रैल, २०००
चत्र ३१ १९२२ शक सम्वत्
उत्तर प्रदेश सरकार
कर एवं निबंधन अनुभाग-५
सं० क०नि०-५-१३०७/११-२०००-५००(८०)-९८
लखनऊ, २० अप्रैल, २०००
अधिसूचना
आदेश

प०आ० -३७६

उत्तर प्रदेश में उसकी प्रवृत्ति के सम्बन्ध में समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय स्टाम्प अधिनियम १८९९ (अधिनियम संख्या २ सन् १८९९) की धारा ९ की उपधारा (१) के खण्ड (क) के अधीन शक्ति का प्रयोग करके राज्यपाल निदेश देते हैं कि इस अधिसूचना के गजट में प्रकाशित होने के दिनांक से छः मास की अवाधि के लिये उक्त भूमि में पट्टाधृति अधिकारों को पूर्ण स्वामित्व अधिकारों में परिवर्तन करने के प्रयोजन के लिए नजूल भूमि के अनुसूचति १ बी के अनुच्छेद २३ के खण्ड क के अधीन प्रभार्य स्टाम्प शुल्क की ऐसी धनराशि जो पूर्ण स्वामित्व लिखत में दी गई प्रतिफल को धनराशि से ऐसे नजूल भूमि के बाजार भूमि के बाजार मूल्य तक अधिक हो पर प्रभार्य स्टाम्प शुल्क की सीमा तक कम करते हैं।

परन्तु यह कि यह अधिसूचना नजूल भूमि में नीलाम या निविदा आमंत्रण के द्वारा स्वामित्व अधिकार स्वीकृत करने से सम्बन्धित मामलोंमें लागू नहीं होगी ।

स्पष्टीकरण- इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिये शब्द प्रतिफल का तात्पर्य ऐसे पूर्ण स्वामित्व प्रभार्य और उस ब्याज यदि कोई हो तो राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा पट्टाधृति अधिकारों को पूर्ण स्वामित्व अधिकारों में परिवर्तित करने के प्रयोजन के लिए लिया गया हो से है ।

आज्ञा से,
टी०जार्ज जोसेफ,
प्रमुख सचिव ।